सीआईएमपी में स्टार्ट अप इंडिया राज्य रैंकिंग पर हुई कार्यशाला

■ सहारा न्यूज ब्यूरो

पटना।

चंद्रगुप्त इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट पटना (सीआईएमपी) में स्टार्ट अप इंडिया - राज्य रैंकिंग पर कार्यशाला आयोजित की गई। यह कार्यशाला 'इन्वेस्ट इंडिया' नाम की एक राष्ट्रीय निवेश संवर्धन और सुविधा एजेंसी (एनआईपीएफए) के तत्वावधान में वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय, भारत सरकार के उद्योग और आंतरिक व्यापार को बढ़ावा देने के लिए बने विभाग (डीपीआईआईटी) के तहत आयोजित की गई थी।

इस कार्यशाला का उद्देश्य बिहार स्टार्टअप्स को डीपीआईआईटी के साथ पंजीकृत होने से होने वाले फायदों के बारे में जानकारी देना था जिसमें आसान ऋण, वैकल्पिक वित्तीय संस्थानों (एएफआई) तक पहुंच, सरकारी चैनल से खरीद, जैम पोर्टल में प्रत्यक्ष पंजीकरण, बहुत से टैक्स की जानकारी और श्रम कानूनों की समझ इत्यादि शामिल है। स्टेट स्टार्टअप रैंकिंग फ्रेमवर्क में प्रत्येक स्टार्टअप और इन्क्यूबेशन सेंटर के योगदान पर भी चर्चा की गई है।

प्रतिभागियों को बताये गये डीपीआईआईटी के साथ पंजीकृत होने के फायदे

पिछले साल बिहार को एक बेहतर स्टार्टअप ईको सिस्टम डेवलप करने के लिए सभी राज्यों में अग्रणी श्रेणी में सूचीबद्ध किया गया है। वर्ष 2019 के लिए अभी राज्य की रैंकिंग आनी बाकी है। श्री गौतम आनंद, सीनियर मैनेजर, इन्वेस्ट इंडिया और प्रो. राजीव वर्मा, नोडल अधिकारी, स्टार्टअप इंक्यूबेशन सेंटर, चंद्रगुप्त इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट, पटना ने इस कार्यक्रम की अध्यक्षता की। सीआईएमपी ने वर्ष 2016 में स्टार्टअप इन्क्यूबेशन सेंटर शुरू की और अबतक 150 से अधिक स्टार्टअप को सफलतापूर्वक संसाधित किया जा चुका है। बाकी इनक्यूबेशन के विभिन्न चरणों में हैं। सीआईएमपी के स्टार्टअप इन्क्यूबेशन सेंटर में दी जाने वाली अत्याधुनिक सुविधा में प्लगइन ऑफिस, कॉन्फ्रेंस रूम और रजिस्टर्ड स्टार्टअप्स के लिए मीटिंग रूम प्रदान करना शामिल हैं। बिहार सरकार के उद्योग विभाग के साथ पंजीकृत कुल 30 स्टार्टअप ने इस आयोजन में भाग लिया। चंद्रगुप्त इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट, पटना, केंद्र सरकार के समर्थन से इस तरह के आयोजन की मेजबानी करने वाला बिहार का पहला स्टार्टअप इंक्यूबेशन सेंटर है।

Rashtriya Sahara ! Page.NO-5 ! Dated:28-12-2019

बिहार स्टार्टअप्स को डीपीआइआइटी से मिलेगा फायदा

पटना. चंद्रगुप्त इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट पटना (सीआइएमपी) में स्टार्टअप इंडिया-राज्य रैंकिंग पर शुक्रवार को कार्यशाला 'इन्वेस्ट इंडिया' और सुविधा एजेंसी (एनआइपीएफए) की ओर से आयोजित की गयी. कार्यशाला का उद्देश्य बिहार स्टार्टअप्स को उद्योग एवं आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डीपीआइआइटी) के साथ पंजीकृत होने से होने वाले फायदों के बारे में बताया गया. जैसे आसान ऋण, वैकल्पिक वित्तीय संस्थानों (एएफआइ) तक पहुंच, सरकारी चैनल से खरीद, जैम पोर्टल में प्रत्यक्ष पंजीकरण, बहुत से टैक्स की जानकारी और श्रम कानूनों की समझ इत्यादि के बारे में जानकारी दी गयी. स्टेट स्टार्टअप रैंकिंग फ्रेमवर्क (एसएसआरएफ) में प्रत्येक स्टार्टअप और इन्क्यूबेशन सेंटर के योगदान पर भी चर्चा की गयी.

इंवेस्ट इंडिया के सीनियर मैनेजर गौतम आनंद और सीआइएमपी स्टार्टअप इंक्यूबेशन सेंटर के नोडल अधिकारी प्रो राजीव वर्मा ने इस कार्यक्रम की अध्यक्षता की. प्रो वर्मा ने कहा कि सीआइएमपी ने वर्ष 2016 में स्टार्टअप इन्क्यूबेशन सेंटर शुरू किया और अब तक 150 से अधिक स्टार्टअप को सफलतापूर्वक संचालित किया जा चुका है. बिहार सरकार के उद्योग विभाग के साथ पंजीकृत कुल 30 स्टार्टअप ने इस आयोजन में भाग लिया.

Prabhat Khabar ! Page.No-03 ! D-28-12-2019

CIMP organises Startup India programme

OUR CORRESPONDENT

PATNA: A workshop on Startup India - State Ranking was held at Chandragupt Institute of Management Patna (CIMP) on December 26. The workshop was held under the aegis of Invest India, a National Investment Promotion and Facilitation Agency (NIPFA) under Department for Promotion of Industry and Internal Trade (DPIIT), Ministry of Commerce and Industry (MCI), Government of India.

The purpose of the workshop was to sensitize Bihar startups for getting registered with DPIIT to get Industry benefits such as access to easy loans and Alternate Financial Institutions (AFI), direct registration into government procurement GeM portal, relaxation into taxation and labor laws. The contribution of each startup and incubation centre in the State Startup Ranking Framework (SSRF) has also been discussed. It is to be noted that last year Bihar has been listed into the Leader category among all the states to support startup ecosystem and for the year 2019, the State ranking is yet to come. Gautam Anand, Sr Manager, Invest India and Prof Rajeev Verma, Nodal, Startup Incubation Centre, CIMP chaired the event. CIMP started Startup Incubation Centre in the year 2016 and so far, more than 150 applications have been successfully processed and are at different stages of Incubation. The state of art facility of CIMP includes Startup Incubation Centre, Plug in offices.

Ph.D AWARD

Mr. Ranjeet kumar, S/o Shri Ambika Mahto, At Simraha, P.O- Sakarpura , P.S Hasanpur, Dist-Samastipur, Bihar,Pin-848205. Correspondence Address- C/o- Mrs. Uma Devi, H.No-11, Anandpuri, Boring Canal Road, Patna -800001 is Honoured with the degree of Doctorate (Ph.D) in the faculty of science (ELECTRONICS/PHYSICS) from Magadh University Bodhgaya-824234 under supervision of Dr. Shyamdeo Yadav. His Topic of Research is study Of Microstrip Patch Antenna Using Artificial neural Network (Reg.No-1067/01, Viva-Voce Exam Date-26.08.2019 & Notification No-1487/19, Dated 23.09.2019)

Morning India ! P-03 ! D-28-12-19

स्टार्टअप रैंकिंग : सीआईएमपी में जुटे एक्सपर्ट

patna@inext.co.in

PATNA (27 Dec): चंद्रगुप्त इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट सीआईएमपी में स्टार्ट अप इंडिया-राज्य रैंकिंग पर कार्यशाला आयोजित की गई. यह कार्यशाला इनवेस्ट इंडिया नाम की एक राष्ट्रीय निवेश संवर्द्धन और सुविधा एजेंसी के तत्वावधान में वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय भारत सरकार के उद्योग और आंतरिक व्यापार को बढ़ावा देने के लिए बने विभाग के तहत आयोजित की गई. इस कार्यशाला का उदेश्य बिहार स्टार्ट अप को डीपीआईआईटी के साथ रजिस्टर होने से होने वाले फायदों के बारे में जानकारी देना था. जैसे कि आसान ऋण, वैकल्पिक वित्तीय संस्थानों तक पहुंच, सरकारी चैनल से खरीद, जैम पोर्टल में प्रत्यक्ष पंजीकरण, बहुत से टैक्स की जानकारी और श्रम कानूनों की समझ आदि. स्टेट स्टार्टअप रैंकिंग फ्रेमवर्क में हर स्टार्टअप और इनक्यूबेशन सेंटर के योगदान पर चर्चा की गई. ज्ञात हो कि वर्ष 2016 में सीआईएमपी में स्टार्ट अप इनक्यूबेशन सेंटर खोला गया. इसमें 150 से अधिक स्टार्ट अप को संसाधित किया जा चुका है.

I-Next ! Page.NO-7 ! Dated:28-12-2019

सीआईएमपी में लोन, रजिस्ट्रेशन टैक्स के बारे में दी जानकारी

एजुकेशन रिपोर्टर | पटना

चंद्रगुप्त इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट पटना में स्टार्टअप इंडिया - राज्य रैंकिंग पर कार्यशाला हुई। यह कार्यशाला "इन्वेस्ट इंडिया" नाम की राष्ट्रीय निवेश संवर्धन और सुविधा एजेंसी के तत्वावधान में उद्योग और आंतरिक व्यापार को बढ़ावा देने के लिए बने विभाग (डीपीआईआईटी) के तहत आयोजित की गई थी। इस कार्यशाला का उद्देश्य बिहार स्टार्टअप्स को डीपीआईआईटी के साथ पंजीकृत होने के फायदों के बारे में जानकारी देना था। कार्यशाला में आसान ऋण, वैकल्पिक वित्तीय संस्थानों तक पहुंच, सरकारी चैनल से खरीद, जैम पोर्टल में प्रत्यक्ष पंजीकरण, टैक्स की जानकारी और श्रम कानूनों की समझ आदि के बारे में बताया गया। स्टेट स्टार्टअप रैंकिंग फ्रेमवर्क में हर स्टार्टअप और इन्क्यूबेशन सेंटर के योगदान पर भी चर्चा की गई है। इन्वेस्ट इंडिया के सीनियर मैनेजर गौतम आनंद और सीआईएमपी के इन्क्यूबेशन सेंटर के नोडल अधिकारी प्रो. राजीव वर्मा ने इस कार्यक्रम की अध्यक्षता की। उन्होंने कहा कि सीआईएमपी ने वर्ष 2016 में स्टार्टअप इन्क्यूबेशन सेंटर शुरू किया।

Dainik Bhaskar ! Page.No-4 !D-28-12-19